॥ श्रीहरि ॥

यथा योग्यं तथा कुरुः
हरिशयनी, आषाढ़ी या पद्मा एकादशी इस दिन से अगले चार महीनों (श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक) तप, जप, दान, स्वाध्याय और आत्मचिंतन के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है।

॥ शुभम् भवतु कल्याणम् ॥

बाबापण्डित www.babapandit.com

नाथ न रथ नहि तन पद त्राना केहि बिधि जितब बीर बलवाना
सौरज धीरज तेहि रथ चाका सत्य सील दृढ़ ध्वजा पताका
सखा धर्ममय अस रथ जाकें जीतन कहँ न कतहुँ रिपु ताकें

|| मानस रथयात्रा || Ram Katha 981- Kericho, Kenya || ❊मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 05 | इंदौर, शनिवार 25 जुलाई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

बात मुद्दे की...

PMNarendraModi का यह तरीका उनके लीडरशिप और समस्या को स्वयं फेस करने का जज्बा बताता है Keep it Up प्रधानमंत्री जी !

दो वीडियो - दो एंगल - ठीक से बेहतर की ओर

एक पेशानी पर लकीरें लिए हुए, थोड़ा मायूस सा चिंतित जैसे कोई घर का बड़ा अपने परिवार के छोटे से बच्चे की जिद, हुड़दंग,भाषा मर्यादा की सीमाएं तोड़ता रहे और परिवार का बड़ा थोड़ा दुखी होता हुआ बतियाए - समझाये।

दूसरा थोड़ा सा कॉन्फिडेंट इसलिए कि कम से कम मेरी बात सुनी तो गई ... थोड़ा सा आशावान कि चलो talk तो शुरु हुआ आज बात सुनी गई कल समझी भी जाएगी परसों मानी भी जाएंगी..

थोड़ा सा निश्चिंत कि चलो बच्चे ने कोई नई हुडदंग भी नहीं की शायद आगे शांत और सभ्य भी होगा ही।

समस्या हो सकती हैं कई सुधारों की गुंजाइश भी ही सकती हैं कई प्रश्न भी हो सकते हैं

लेकिन लेकिन लेकिन

PM नरेन्द्र मोदी की देशहित सर्वोपरि भावना और कर्तव्यपरायणता पर संदेह निरर्थक है। (#पुष्प)

जनताकहिन

क्या तुम बीमार हो GenZ ?
गालियों का ट्रेंड...हुड़दंगबाजी...
शायद तुम बीमार हो GenZ !

तुम सिर्फ सीखे शिक्षित नहीं हुए
कमोबेश ज्ञान पा लिया विद्या नहीं पाई
शायद तुम बीमार हो GenZ!
इस आंदोलन का रिजल्ट कुछ भी हो तुम्हारे व्यक्तित्व तो स्पष्ट हो ही गए
अब तो सही में शिक्षा को बदलना होगा
चिल्लाना, भागना, फेंकना, तोड़ना क्या है? ये कैसी समझदारी? ये कैसा बर्ताव
क्या जिस जेनरेशन ने आपको पैदा किया क्या वो अब तक की सबसे ज्यादा मूर्ख साबित नहीं हो रही..?
क्या तुम बीमार हो GenZ!
क्यों असहमति का जवाब बदतमीज़ी ही मानी जा रही?
भारत जहां शब्दों को ब्रह्म बोला गया
वहां शब्दों का ऐसा खुलेआम प्रदर्शन
क्या जिन्होंने लिखा या जिन्होंने प्रदर्शन किया उनके माता पिता का मौन समर्थन है?
क्या देश के प्रधानमंत्री के बारे में इतना वमन ,शायद तुम बीमार हो GenZ...?
यदि शब्दों की महत्ता समझ नहीं, गालियों,कुछ भी कही भी बोलना, हुड़दंगबाजी यही सब यदि life को large करता है तो ये सब सिर्फ श्रम ही है..
इतिहास गवाह है जिसने शब्द की महत्ता नहीं समझी जिसने वाणी का प्रयोजन नहीं समझा जिसने सार्थक सादर के साथ प्रस्तुतीकरण को नहीं जाना वो ज्यादा टिका भी नहीं...
लेकिन याद रखो Genz
हम अपना कार्य करते हैं
प्रकृति अपना कार्य करती है।

(FB wall से साभार)

ताई ने कहा-इंदौर को कोई उपेक्षित नहीं कर सकता, ये शहर नागरिकों के दम पर बना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। विकास के मामले में हो रही इंदौर की उपेक्षा को लेकर अभ्यास मंडल ने एक परिचर्चा का आयोजन किया। जिसमें पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने कहा है कि इंदौर को कोई उपेक्षित नहीं कर सकता है। यह शहर नागरिकों के दम पर बना है। नर्मदा का पानी हम लड़ाई लड़ कर लाए हैं। इंदौर में सरकार के द्वारा बड़ी विकास योजनाओं को आकार दिया गया है। यह एक ऐसा शहर है जहां की जनता ही शहर की चिंता करती है।

महाजन ने कहा कि यदि इंदौर उपेक्षित होता तो यहां सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल होता क्या? एम वाय अस्पताल के लिए सरकार के द्वारा करोड़ों रुपए के उपकरण दिए जाते हैं क्या? इंदौर का हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय होता क्या? पीथमपुर के उद्योगों के लिए इंदौर में एयर कार्गो की सेवा शुरू होती क्या? इंदौर के लोग नर्मदा पेयजल योजना का पहला चरण अपनी ताकत से लेकर आए हैं। इंदौर की अपेक्षा कोई नहीं कर सकता है अलबत्ता यह सच है कि इंदौर का सुव्यवस्थित विकास नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पीथमपुर में होने वाले विकास का भार इंदौर उठाता है। अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों की समिति बनाई जाना चाहिए। इस समिति के माध्यम से उसे क्षेत्र में किए जाने वाले कामों को लेकर योजना तैयार की जाना चाहिए। ताई ने कहा कि यदि उज्जैन का विकास भी होता है तो उसमें बुराई क्या है?

पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष गौतम कोठारी ने कहा कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र का विकास तो हुआ है लेकिन अपेक्षित विकास नहीं हो सका है। आर्किटेक्ट अतुल सेठ ने कहा कि मास्टर प्लान का निर्माण शहर की जनता की सहभागिता से होना चाहिए। अभी तक पुराने मास्टर प्लान के क्रियान्वयन की स्थिति की रिपोर्ट सामने नहीं आई है। पर्यावरणविद डॉ ओ पी जोशी ने कहा कि इंदौर की हवा, पानी और हरियाली की स्थिति खराब है। रेलवे क्षेत्र के विशेषज्ञ नागेश नामजोशी ने कहा कि हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि हम अपेक्षा की स्थिति से बाहर कैसे आएं। कार्यक्रम के प्रारंभ में विषय का प्रवर्तन शिवाजी मोहिते ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन माला सिंह ठाकुर ने माना।

वांगचुक के अनशन तोड़ने पर भी शांत नहीं हुआ इंदौर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर में चल रहा छात्र आंदोलन पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के अनशन तोड़ने के बाद भी खत्म नहीं हुआ है। छात्रों का कहना है कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता तब तक वे आंदोलन को खत्म नहीं करेंगे। इंदौर में पिछले 3 सप्ताह से छात्र आंदोलन चल रहा है और उनकी शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी हुई कई मांगें हैं। छात्रों का कहना है कि केंद्र सरकार ने अभी तक जो भी कदम उठाए हैं और देश की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। भंवरकुआं चौराहे पर धरने पर बैठे स्टूडेंट्स ने कहा कि बात सिर्फ नीट की नहीं है। तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार धांधली हो रही है। हमारी लड़ाई इस पूरी शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ है। छात्रों ने कहा आंदोलन के दौरान जो भी छात्रों पर केस हुए हैं उन केसों को तुरंत वापस लेना चाहिए। इसके साथ नीट पेपर लीक में जिन बच्चों की जान गई उनके माता पिता को मुआवजा मिलना चाहिए। पेपर लीक में जो भी दोषी हैं उन्हें कड़ी सजा मिले और भविष्य में कभी भी पेपर लीक की घटनाएं नहीं होंगी यह भी सरकार लिखित में दे। भंवरकुआं पर चल रहे छात्र आंदोलन को 3 सप्ताह से अधिक का समय हो गया है। शुरुआत में यहां पर शाम के समय ही छात्रों की भीड़ रहती थी क्योंकि अधिकांश छात्र स्कूल, कालेज से आने के बाद ही इसमें पहुंचते थे। अब यहां पर 24 घंटे भीड़ नजर आती है। रात में भी यहां पर छात्र डटे रहते हैं। इनमें बड़ी संख्या में बालिकाएं भी शामिल हैं। छात्र आंदोलन में किसी भी संस्था या संगठन का कोई भी बैनर या झंडा नहीं है। सभी छात्र सिर्फ पेपर लीक और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर बैनर, पोस्टर बनाकर लाए हैं। यहां पर मौजूद छात्रों ने बताया कि कई संगठनों ने यहां पर आकर अपने बैनर लगाए लेकिन हमारी सबसे यही अपील है कि सिर्फ शिक्षा के मुद्दों को उठाएं, सिर्फ अपनी संस्था या संगठन के प्रचार के लिए यहां पर न आएं। यहां पर छात्र धरने पर बैठे हैं उनके साथ धरने पर बैठें, अलग से अपने संगठन के प्रचार के लिए कार्य न करें।

सेना के शौर्य से देश के भविष्य तक होगी चर्चा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार, 26 जुलाई, को डॉ. संदीप जुल्का के नेतृत्व में टीम हेल्थकेयर सोल्जर्स द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ऑडिटोरियम, ढक्कन वाला कुआं पर शाम 4:30 बजे आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में भारतीय सेना के शौर्य, राष्ट्रीय सुरक्षा, भारत की रणनीतिक दिशा और डिजिटल युग में भारतीय विरासत के संरक्षण जैसे विषयों पर विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, विद्यार्थियों, चिकित्सकों, शिक्षकों और विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल यादवेन्द्र जादौन "भारत की रणनीतिक दिशा : एक परिप्रेक्ष्य" विषय पर अपने विचार रखेंगे। उनके व्याख्यान में कारगिल युद्ध के बाद भारत की बदलती रणनीतिक सोच, राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाओं पर बदलती चुनौतियां, ऑपरेशन सिंदूर, भारत की रक्षा तैयारियां, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की भूमिका और बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य जैसे विषय शामिल रहेंगे।

दूध एवं दुग्ध उत्पादों की विशेष जांच अभियान के तहत

05 डेयरी प्रतिष्ठानों, 01 मेस एवं 01 खाद्य प्रतिष्ठान का निरीक्षण

28 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब से 38 खाद्य पदार्थों की स्पॉट टेस्टिंग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में मिलावटी एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश द्वारा दूध एवं दुग्ध उत्पादों सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विशेष निरीक्षण एवं सैंपलिंग अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उक्त निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा डेयरी प्रतिष्ठानों, मेस एवं शिकायत प्राप्त खाद्य प्रतिष्ठान का सघन निरीक्षण कर व्यापक नमूना कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 07 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 28 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। साथ ही मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब (Food Safety on Wheels) की सहायता से मौके पर ही 38 खाद्य पदार्थों की प्रारंभिक स्पॉट टेस्टिंग की गई।

रामजी डेरी, नवलखा

नवलखा स्थित रामजी डेरी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुमित सिंघल उपस्थित पाए गए। प्रतिष्ठान से दूध के कुल 03 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। साथ ही मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की सहायता से दूध की मौके पर प्रारंभिक जांच भी की गई।

श्री गौरी गोपाला मावा एवं डेरी फार्म, नवलखा चौराहा

संयुक्त दल द्वारा श्री गौरी गोपाला मावा एवं डेरी फार्म का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान से मावा के 02, दूध के 02 एवं पनीर का 01, कुल 05 नमूने जांच हेतु लिए गए। मौके पर मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से खाद्य पदार्थों की स्पॉट टेस्टिंग भी की गई।

जय माता दी डेरी, लिंबोदी

जय माता दी डेरी का निरीक्षण कर दूध, पनीर एवं मावा के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब द्वारा मौके पर प्रारंभिक परीक्षण किया गया।

हनुमंत डेरी एंड स्वीट्स, लिंबोदी

हनुमंत डेरी एंड स्वीट्स का निरीक्षण कर दूध, पनीर, मावा एवं घी के कुल 06 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

द्वारकाधीश डेरी एंड स्वीट्स, लिंबोदी

द्वारकाधीश डेरी एंड स्वीट्स का निरीक्षण कर दूध, पनीर एवं मावा के कुल 05 नमूने जांच हेतु लिए गए।

उत्तम भोग मेस एंड रेस्टोरेंट का निरीक्षण

उत्तम भोग मेस एंड रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चावल, आटा एवं दाल के कुल 03 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, खाद्य पदार्थों का वैज्ञानिक एवं सुरक्षित भंडारण करने तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

CM हेल्पलाइन शिकायत पर त्वरित कार्रवाई

CM हेल्पलाइन पर खराब गुणवत्ता के चिप्स विक्रय किए जाने संबंधी प्राप्त शिकायत के आधार पर आनंद बाजार स्थित साउथ इंडियन श्री कृष्णा हॉट चिप्स का संयुक्त दल द्वारा निरीक्षण किया गया। शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए खाद्य पदार्थों में से बनाना चिप्स एवं बनाना चिली चिप्स के कुल 02 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। कार्रवाई उपरांत शिकायतकर्ता को संपूर्ण कार्रवाई से अवगत कराया गया, जिस पर उन्होंने संतुष्टि व्यक्त की।

मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब द्वारा स्पॉट टेस्टिंग एवं जन-जागरूकता

अभियान के दौरान मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब (Food Safety on Wheels) की सहायता से कुल 38 खाद्य पदार्थों की मौके पर ही प्रारंभिक जांच (Spot Testing) की गई। साथ ही खाद्य कारोबारकर्ताओं एवं आमजन को खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान, व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण, कोल्ड चेन बनाए रखने, खाद्य पदार्थों की निर्माण एवं एक्सपायरी तिथि जांचने तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया।

शहर में तीन जगह आयोजित किए गए राजस्व शिविर

सैकड़ों समस्याओं का किया गया निराकरण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने तथा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण के लिए दिए गए निर्देशों के अनुरूप इंदौर जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल करते हुए राजस्व निरीक्षक वृत्त स्तर पर विशेष राजस्व जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को उनके गांव में ही राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा वर्षों से लंबित प्रकरणों का भी प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को जिले की मल्हारगंज तहसील के ग्राम बांक, सांवेर तहसील के ग्राम धरमपुरी तथा महू में विशेष राजस्व जनकल्याण शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। शिविरों में प्राप्त अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष मामलों के त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई।

शिविरों में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रास्ता संबंधी विवाद, अभिलेखों में त्रुटि सुधार आदि के लगभग पौने चार सौ राजस्व प्रकरणों का त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है। ऐसे प्रकरण, जो विभिन्न कारणों से लंबे समय से लंबित थे, उन्हें भी विशेष प्राथमिकता देकर निराकृत किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक पात्र प्रकरण का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

महू में निराकृत हुए अनेक जटिल राजस्व मामले- महू में आयोजित शिविर में अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य, एसडीएम राकेश परमार और तहसीलदार विवेक सोनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। शिविर में महू राजस्व निरीक्षक वृत्त में आयोजित इस शिविर में आमजन के राजस्व संबंधी प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया गया। शिविर के दौरान 185 नामांतरण, 16 सीमांकन, 1 बंटवारा तथा 7 बटांकन सहित कुल 209 राजस्व प्रकरणों का सकारात्मक निराकरण किया गया। महू के शिविर में जटिलताओं से भरे अनेक प्रकरण भी निराकृत हुए। इन प्रकरणों के निराकरण होने से आवेदकों के चेहरे पर संतुष्टि भरी खुशी देखी गई।

शिविर में एक ऐसा मामला निराकृत हुआ जो अनेक विसंगतियों और जटिलताओं से भरा हुआ था। अनेक कोशिशों के बाद भी उसके निराकरण में परेशानी थी। अधिकारियों ने आज इस मामले को विशेष प्राथमिकता से हल किया तथा हरीश शुक्ला की जमीन का नामांतरण कर दिया। इस नामांतरण के होने हरीश शुक्ला के जीवन में नई खुशियां आयी।

इसी तरह महू तहसील निवासी उमेश पाठक को भी राजस्व शिविर में त्वरित समाधान मिला। उमेश पाठक ने बताया कि उनके खेत तक जाने वाले रास्ते पर अतिक्रमण होने के कारण वे पिछले तीन-चार वर्षों से परेशान थे। राजस्व शिविर में अपनी समस्या रखने पर अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खेत के रास्ते से अतिक्रमण हटवाया, जिससे उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो गया। श्री पाठक ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कलेक्टर शिवम वर्मा, राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांवेर के धरमपुरी में भी लगा शिविर- शुक्रवार को तहसील सांवेर के राजस्व निरीक्षक वृत्त धरमपुरी स्थित राजस्व निरीक्षक कार्यालय में राजस्व जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राजस्व संबंधी प्रकरणों का त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण कर नागरिकों को मौके पर ही राहत प्रदान की गई। शिविर में अपर कलेक्टर रोशन राय, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) हरिशंकर विश्वकर्मा, तहसीलदार श्रीमती पूनम तोमर, राजस्व निरीक्षक तथा समस्त पटवारी उपस्थित रहे। इस शिविर में 40 नामांतरण, 7 बंटवारा, 3 बटांकन, 4 सीमांकन, 1 बीपीएल, 12 फार्मर रजिस्ट्री, 1 त्रुटि सुधार, 9 जनसुनवाई तथा 8 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सहित कुल 85 से अधिक प्रकरणों का संतोषजनक निराकरण किया गया। संबंधित हितग्राहियों को नियमानुसार आदेश, आवश्यक दस्तावेज एवं अमल खसरे मौके पर ही वितरित किए गए। शिविर में उपस्थित नागरिकों ने त्वरित निराकरण की व्यवस्था की सराहना करते हुए जिला प्रशासन के इस जनहितकारी प्रयास की प्रशंसा की। शिविर के दौरान अपर कलेक्टर रोशन राय एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) हरिशंकर विश्वकर्मा ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया। जिला प्रशासन की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन को सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। इन शिविरों से आमजन को अपने गांव में ही राजस्व सेवाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास भी लगातार मजबूत हो रहा है।

ग्राम बांक में भी हाथों-हाथ किया गया समस्याओं का त्वरित निराकरण- शुक्रवार को मल्हारगंज तहसील के ग्राम बांक में भी शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी सुश्री निधि वर्मा, तहसीलदार शेखर चौधरी तथा लोकेश आहुजा सहित अन्य राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया तथा पात्र प्रकरणों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया। बांक ग्राम में आयोजित शिविर में 22 नामांतरण, 8 सीमांकन, बंटवारा, बटांकन, 4 ईकेवायसी, 28 फार्मर रजिस्ट्री, ईडब्ल्यूएस के 7 प्रमाणपत्र, 5 जन्म प्रमाणपत्र और एक मृत्यु सहित कुल 75 से अधिक प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया।

आईडीए के 11 मकानों पर बरसों से कर रखा था अवैध कब्जा, खाली कर अफसरों ने लगाए ताले

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के स्कीम-114 में राजीव आवास विहार के खाली रो-हाउसेस में 20 साल से भी ज्यादा समय तक 11 परिवार अवैध तौर पर रह रहे थे। न तो उन्होंने उस संपत्ति को खरीदने के लिए पैसा भरा था और न ही आईडीए ने उन्हें रो-हाउस आवंटित किए थे। कुछ लोग तो उन्हें किराए पर देकर पैसा भी वसूल रहे थे। शुक्रवार को अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ इंदौर विकास प्राधिकरण ने सख्ती दिखाई और उनसे रो-हाउस खाली करा लिए। मुक्त कराई गई संपत्ति की कीमत एक करोड़ रुपये से ज्यादा है।

अब प्राधिकरण उन्हें बेचने की तैयारी कर रहा है।

स्कीम-114 में प्राधिकरण ने एक हजार से ज्यादा रो-हाउसेस बनाए थे। जो रो-हाउस नहीं बिक पाए थे, उनके ताले तोड़कर लोग रहने लगे थे। तत्कालीन अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन पिछले महीने प्राधिकरण ने अपनी जमीनों व संपत्तियों को कब्जे से मुक्त कराने का अभियान चलाया। तब आईडीए के सीईओ को पता चला कि रो-हाउसेस पर भी कब्जे हैं। इसके बाद कब्जा करने वालों को नोटिस देकर हटने को कहा, लेकिन वे नहीं हटे। शुक्रवार को अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मकानों को खाली कराया। अधिकारियों ने अब ताले लगा दिए हैं। इन रो-हाउसेस की मरम्मत कर अब उन्हें नई गाइडलाइन के हिसाब से बेचा जाएगा। इंदौर विकास प्राधिकरण ने कांग्रेस सरकार के समय स्कीम-114 में एक हजार रो-हाउसेस बनाए थे। तब इनकी कीमत डेढ़ लाख रुपये तय की गई थी। 90 के दशक में बने इन रो-हाउसेस को तब लोग खरीदने के लिए तैयार नहीं रहते थे, क्योंकि वे उन्हें शहर से दूर मानते थे। अब शहर राजीव आवास विहार से भी आगे तक फैल गया है।

ड्राई फ्रूट्स में निकले कीड़े

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र) इंदौर। त्योहारी सीजन में ड्राई फ्रूट्स की बढ़ती मांग के बीच इंदौर के मालवा मिल क्षेत्र स्थित एक दुकान से खरीदे गए काजू में कीड़े मिलने का मामला सामने आया है। ग्राहक की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने दुकान पर पहुंचकर जांच की और काजू, बादाम समेत अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेज दिए। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता शीतल ने मालवा मिल स्थित आरके ड्राई फ्रूट्स से करीब 6,500 रुपए के ड्राई फ्रूट्स खरीदे थे। इनमें 1400 रुपए प्रति किलो की दर से खरीदा गया आधा किलो काजू भी शामिल था। कुछ दिनों बाद काजू में कीड़े दिखाई देने पर परिवार के सदस्य शिकायत लेकर दुकान पहुंचे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि दुकान संचालक ने काजू में कीड़े निकलने का कारण उन्हें लंबे समय तक घर में रखा जाना बताया। इसके बाद मामले की शिकायत खाद्य सुरक्षा विभाग से की गई।

एक निवेदन
यदि आप साहस और निर्भीकता से खोजी पत्रकार के रूप में कार्य करना चाहते है और अपने आसपास के भ्रष्टाचार/अपराध/अव्यवस्थाओ को उजागर करना चाहते है ।
तो आइए आप हमारे वेबपोर्टल और यूट्यूब चैनल के साथ क्राइम रिपोर्टर के रूप में कार्य करे।
कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर्ड करे ।
www.detectivegroupreport.com
या फिर हमें आपका पूरा बॉयोडाटा मेल करे
detectivegroupreport@gmail.com
(आपके सुझाव/लेख /न्यूज़ और सूचना का सदैव स्वागत है)

शासकीय चरनोई भूमि से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अनुभाग बिचौली के ग्राम जामन्या खुर्द स्थित चरनोई मद में दर्ज शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। राजस्व विभाग की टीम ने सर्वे क्रमांक 198 की लगभग एक एकड़ शासकीय भूमि का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि उक्त भूमि पर अवैध रूप से पक्का मकान एवं पक्की सड़क का निर्माण किया जा रहा था। इसके बाद राजस्व अमले ने जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण हटाते हुए निर्माणाधीन पक्के मकान, पक्की सड़क तथा खंभों की बाउंड्री को ध्वस्त कर शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया। यह कार्रवाई अतिक्रमणकारी रामप्रसाद दुबे, निवासी ग्राम जामन्या खुर्द, के विरुद्ध की गई। कार्रवाई के दौरान एसडीएम बिचौली अजय भूषण शुक्ला, तहसीलदार अनिल पटेल, अतिरिक्त तहसीलदार सुश्री शिखा सोनी सहित राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों का दल मौके पर उपस्थित रहा।

मध्यप्रदेश के 4 महानगरों में प्रारंभ होंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट : मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति और वसुधैव कुटुम्बकम के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए विश्व कल्याण के लिए प्रयास कर रहा है। हमारी संस्कृति में सबके कल्याण और मानवता से प्रेम करने की बात कही गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के हित में उनकी शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश के चारों महानगरों- भोपाल, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में इसी प्रकार के फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले साल पन्ना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा। नीट के अभ्यर्थियों को डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पन्ना में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। उन्होंने प्रतीक स्वरूप विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के हितग्राहियों एवं आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कृषि कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में हल भेंट कर सम्मानित किया गया।

पलायन रुका, अब बुंदेलखंड को समृद्ध बनाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती सर्वश्रेष्ठ है। यह महाराज छत्रसाल, वीर आल्हा-ऊदल की धरती है। सौभाग्यशाली व्यक्ति ही ऐसी पुण्य धरा पर आ सकता है। यहां पन्ना में धरती के नीचे हीरा निकलता है, लेकिन धीरे-धीरे पानी की कमी होती गई। लोगों ने पलायन शुरू कर दिया, जिसे हमारी सरकार ने रोका। अब हमारी सरकार ने बुंदेलखंड की समृद्धि के लिए भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के संकल्प के अनुसार अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की है। केंद्र सरकार ने 1 लाख करोड़ की इस परियोजना के लिए 90 प्रतिशत राशि देने की स्वीकृति प्रदान की। नदी जोड़ो परियोजना किसानों के लिए समृद्धि लेकर आएगी। राज्य सरकार ने तय किया है कि ऐसी परियोजनाओं में किसी की जमीन, मकान और दुकान आती है तो उसे उचित मुआवजा दिया जाएगा। इस परियोजना से बुंदेलखंड परिदृश्य बदलने वाला है। किसान अपनी जमीन बेचने का विचार मन में न लाएं। खेती के मामले में यह क्षेत्र अब पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ेगा।

पन्ना क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ाएगा नया अनोखा ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट - मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पन्ना के बृहस्पति कुंड पर 8 करोड़ लागत से सौंदर्यीकरण के अंतर्गत निर्मित ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। पन्ना में निर्मित यह कांच के फ्लोर वाला व्यू प्वाइंट यहां के पर्यटन को बढ़ाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसे देखने देश-विदेश से लोग आएंगे। भारत के पर्यटकों को भी अन्य देशों में जाने की आवश्यकता नहीं है। यहां के प्राकृतिक जल प्रपात पर्यटन में वैश्विक केंद्र बनने के योग्य हैं।

दो सांदीपनि विद्यालयों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुल 184.83 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इन कार्यों में गुन्नौर और पवई के 74 करोड़ रुपए लागत के 2 सांदीपनि विद्यालय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय देश में सबसे अच्छे विद्यालय हैं। प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालय बनाए गए हैं। यह विद्यालय भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के प्रतीक हैं। सांदीपनि विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और संस्कारों के साथ शिक्षा दी जा रही है। कार्यक्रम में खजुराहो संसदीय क्षेत्र के सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया। पूर्व मंत्री रामकृष्ण कुसमरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना राजे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना पांडे, बृजेंद्र मिश्रा एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे

प्रदेश में 10 हजार हो जाएंगी मेडिकल कॉलेज की सीट्स

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार युवाओं के हित में निरंतर कार्य कर ही है। विभिन्न पाठ्यक्रमों की व्यवस्था से युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर दिलवाने का प्रयास है।

मेडिकल कॉलेज भी तेज गति से प्रारंभ हो रहे हैं। इससे आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेशवासियों को लाभ मिलेगा। वर्तमान में प्रदेश में चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 34 है, जो दो वर्ष में बढ़कर 52 हो जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना में हेलीपेड पर टीवी चैनल प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2002-03 में प्रदेश में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे। मेडिकल कॉलेज की सीट संख्या भी मात्र 500 थी, जो वर्तमान में बढ़कर साढ़े पांच हजार हो गई है। आने वाले समय में मेडिकल कॉलेज की सीट्स 10 हजार हो जाएंगी। यह राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है और इस नाते चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

बुखार से तीन बच्चों की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बालाघाट, (एजेंसी) जिले के जंगलों में बसे कुंडेकसा और बोंदारी गांवों में पिछले 15 दिनों में वायरल बुखार के कारण तीन बच्चों की जान चली गई। अडोरी पंचायत के इन दोनों गांवों में 100 से ज्यादा लोग बीमार पड़े हैं। गांव वालों का दर्द है कि दूर-दराज इलाका होने की वजह से उन्हें टाइम पर इलाज और सही स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पाती हैं। गांव में फैले इस बुखार से तीन मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है। बीते 22 तारीख को 3 साल की छोटी बच्ची प्रीति मरकाम ने दम तोड़ दिया। इससे करीब दो हफ्ते पहले एक ही घर के दो भाई-बहन, 13 साल के लम्बिया धुर्वे और 1 साल के संतोष धुर्वे की एक-एक दिन के अंतर पर मौत हो गई थी। बीमार लोगों और मृत बच्चों में तेज बुखार के साथ गले में खराश, मुंह में छाले और शरीर पर छोटे-छोटे लाल दाने निकलने जैसे लक्षण दिखे हैं। मामले पर स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मौतों की बड़ी वजह ग्रामीणों का वक्त पर अस्पताल न जाना और पंडा-पुजारियों के चक्कर में पड़कर झाड़-फूंक करवाना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) ने बताया कि एक बच्ची की हालत बिगड़ने पर उसे बड़े अस्पताल ले जाने को कहा गया था, पर घरवाले इसके लिए तैयार ही नहीं हुए।

3 से 31 अगस्त तक लागू हो सकती है व्यवस्था

सावन में सोमवार को स्कूलों में छुट्टी, रविवार को लगेंगी कक्षाएं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। महाकाल की श्रावण-भादों सवारियों के दौरान ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन को देखते हुए उज्जैन के सभी शासकीय और निजी स्कूलों में सोमवार को अवकाश तथा रविवार को कक्षाएं लगाने की तैयारी है।

जिला शिक्षा विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव कलेक्टर कार्यालय भेज दिया है। यह व्यवस्था 3 अगस्त से 31 अगस्त तक लागू रह सकती है।

तैयारीः राजा राम की नगरी ओरछा बनेगी विश्व धरोहर- ओरछा को यूनेस्को की हेरिटेज सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया तेज हो गई है। वर्ष 2027-28 की वर्ल्ड हेरिटेज साइकिल के लिए सरकार नोमिनेशन डोजियर तैयार कर रही है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति गठित की गई है।

भाजपा नेता ने दिया इस्तीफा

शहडोल, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे छात्र आंदोलन और प्रदर्शनकारी छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में शहडोल के भाजपा नेता शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने शुक्रवार को जिला भाजपा अध्यक्ष को संबोधित अपना त्यागपत्र सौंपते हुए इसकी प्रति प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को भी प्रेषित की है।

इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर जलभराव, सड़क बदहाल

नागदा-गुजरी ओवरब्रिज के नीचे जलभराव से हादसे का खतरा, लोगों ने की स्थायी समाधान की मांग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

धार, एजेंसी। धार जिले में नागदा-गुजरी ओवरब्रिज के नीचे स्थित इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में है। लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है और कई दिनों से यहां जलभराव बना हुआ है। सड़क पर बने गहरे गड्ढे पानी में छिप जाने से वाहन चालकों को उनका अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

बारिश के पानी से सड़क पूरी तरह ढक गई है। गड्ढों में भरे पानी के कारण वाहन चालकों को यह समझ नहीं आता कि सड़क समतल है या गहरी। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन अचानक गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है।

सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। भारी वाहन जैसे ट्रक और बस जब तेज गति से गुजरते हैं तो सड़क पर भरा गंदा पानी उछलकर बाइक सवारों और राहगीरों पर गिरता है। कई बार अचानक पड़े पानी के छींटों और गड्ढों के कारण चालक संतुलन खो देते हैं, जिससे हादसे का खतरा और बढ़ जाता है।

इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग का यह हिस्सा प्रतिदिन हजारों वाहनों की आवाजाही वाला प्रमुख मार्ग है। इसके बावजूद लंबे समय से सड़क की मरम्मत और जल निकासी की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लगातार जलभराव के कारण सड़क की स्थिति दिन-ब-दिन और खराब होती जा रही है।

स्थानीय निवासी विजय ने बताया कि कई दिनों से सड़क पर पानी भरा हुआ है और गड्ढों के कारण लोगों का सुरक्षित निकलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने प्रशासन से जल्द सेजल निकासी की स्थायी व्यवस्था करने और क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो यहां कभी भी बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। लोगों ने संबंधित विभाग से तत्काल कार्रवाई कर सड़क को सुरक्षित बनाने की अपील की है।

ढोंगी तांत्रिक ने महिला से दुष्कर्म किया

टीकमगढ़, एजेंसी। जिले के बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र में अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के नाम पर एक महिला के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली महिला को झाड़-फूंक और तांत्रिक क्रियाओं के जरिए संतान होने का भरोसा दिलाकर एक ढोंगी तांत्रिक ने अपने जाल में फंसा लिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता लंबे समय से संतान न होने के कारण मानसिक रूप से परेशान थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात आरोपी तांत्रिक से हुई। आरोपी ने स्वयं को तंत्र-मंत्र और झाड़-फूंक के जरिए संतान प्राप्ति कराने में सक्षम बताते हुए महिला का विश्वास जीत लिया। उसने दावा किया कि विशेष पूजा-पाठ और तांत्रिक अनुष्ठान करने से महिला की समस्या दूर हो जाएगी।

संपादकीय

26 दिन बाद अनशन खत्म, पर आंदोलन जारी

26 दिन के अनशन के बाद सोनम वांगचुक ने शुक्रवार शाम मेदांता अस्पताल में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में अपना अनशन समाप्त कर दिया। हालांकि आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार की ओर से कुछ प्रमुख मांगों पर सकारात्मक संकेत और आगे वार्ता के लिखित आश्वासन के बाद यह फैसला लिया गया। आंदोलन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, वांगचुक के अस्पताल में भर्ती होने के बाद आंदोलन की कमान पूरी तरह बदल गई। जंतर-मंतर पर मौजूद रहने तक लगभग हर बड़े फैसले में उनकी सीधी भूमिका होती थी, लेकिन स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद निर्णय लेने की जिम्मेदारी सीजेपी की आठ सदस्यीय कोर टीम ने संभाल ली। यह टीम प्रदर्शनकारी छात्रों, स्वयंसेवकों और सहयोगी संगठनों से लगातार फीडबैक लेकर रणनीति तय करती रही। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि को महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी दी जाती थी, लेकिन रोजमर्रा के निर्णय अब कोर टीम के स्तर पर ही लिए जाने लगे। सूत्रों के मुताबिक, आंदोलन में शामिल छात्र संगठनों, खासकर आइसा, को भी महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी दी जाती रही और कई मुद्दों पर उनकी राय भी ली गई। हालांकि अंतिम फैसला सीजेपी की कोर टीम ही करती रही। इसी दौरान अस्पताल में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गईं। एक दिन पहले आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, राजद के संजय यादव समेत कई विपक्षी सांसदों का प्रतिनिधिमंडल वांगचुक से मिलने पहुंचा, लेकिन पुलिस ने उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद उन्होंने उनकी पत्नी गीतांजलि आंगमो को अनशन समाप्त करने की अपील वाला पत्र सौंपा। अगली सुबह कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, माकपा सांसद जॉन ब्रिटास और तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष 19 सांसदों के हस्ताक्षर वाला पत्र लेकर अस्पताल पहुंचे। सूत्रों का कहना है कि विवेक तन्खा लगातार पूरे घटनाक्रम में सक्रिय रहे और सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल शिफ्ट करने के फैसले में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसी बीच सरकार की ओर से भी बातचीत का सिलसिला तेज हुआ। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो से बातचीत कर भरोसा दिलाया कि सरकार आंदोलन की मांगों पर सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ना चाहती है। शुक्रवार शाम डॉ. जितेंद्र सिंह और जेपी नड्डा स्वयं मेदांता अस्पताल पहुंचे और सरकार का लिखित आश्वासन पत्र वांगचुक को सौंपा। इसमें शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई नहीं करने का भरोसा दिया गया। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल सोनम वांगचुक स्वास्थ्य लाभ के लिए मेदांता अस्पताल में ही रहेंगे। वहीं आंदोलन की अगुवाई सीजेपी की कोर टीम करती रहेगी। शनिवार को सरकार और सीजेपी के बीच वार्ता का दूसरा दौर होगा, जिसमें लंबित मांगों पर चर्चा आगे बढ़ेगी।

उसने कहा था

चंद्रधर शर्मा गुलेरी

(एक)

बड़े-बड़े शहरों के इक्के-गाड़ी वालों की ज़बान के कोड़ों से जिनकी पीठ छिल गई है, और कान पक गए हैं, उनसे हमारी प्रार्थना है कि अमृतसर के बंबूकार्ट वालों की बोली का मरहम लगावें। जब बड़े-बड़े शहरों की चौड़ी सड़कों पर घोड़े की पीठ चाबुक से धुनते हुए, इक्के वाले कभी घोड़े की नानी से अपना निकट-संबंध स्थिर करते हैं, कभी राह चलते पैदलों की आँखों के न होने पर तरस खाते हैं, कभी उनके पैरों की उँगलियों के पोरों को चींथकर अपने-ही को सताया हुआ बताते हैं, और संसार-भर की ग्लानि, निराशा और क्षोभ के अवतार बने, नाक की सीध चले जाते हैं, तब अमृतसर में उनकी बिरादरी वाले तंग चक्करदार गलियों में, हर-एक लड्ढी वाले के लिए ठहरकर सब्र का समुद्र उमड़ाकर ''बचो खालसा जी'', ''हटो भाई जी'', ''ठहरना भाई'', ''आने दो लाला जी'', ''हटो बाछा''—कहते हुए सफ़ेद फेंटों, खच्चरों और बत्तकों, गन्ने, खोमचे और भारे वालों के जंगल में से राह खेते हैं। क्या मजाल है कि ''जी'' और ''साहब'' बिना सुने किसी को हटना पड़े। यह बात नहीं कि उनकी जीभ चलती नहीं; पर मीठी छुरी की तरह महीन मार करती है। यदि कोई बुढ़िया बार-बार चितौनी देने पर भी लीक से नहीं हटती, तो उनकी वचनावली के ये नमूने हैं—हट जा जीणे जोगिए; हट जा करमाँवालिए; हट जा पुत्तां प्यारिए; बच जा लंबी वालिए। समष्टि में इनके अर्थ हैं, कि तू जीने योग्य है, तू भाग्यों वाली है, पुत्रों को प्यारी है, लंबी उमर तेरे सामने है, तू क्यों मेरे पहिए के नीचे आना चाहती है?—बच जा।

ऐसे बंबूकार्ट वालों के बीच में होकर एक लड़का और एक लड़की चौक की एक दुकान पर आ मिले। उसके बालों और इसके ढीले सुथने से जान पड़ता था कि दोनों सिख हैं। वह अपने मामा के केश धोने के लिए दही लेने आया था, और यह रसोई के लिए बड़ियाँ। दुकानदार एक परदेसी से गुँथ रहा था, जो सेर-भर गीले पापड़ों की गड्डी को गिने बिना हटता न था।

''तेरे घर कहाँ हैं?''

''मगरे में और तेरे?''

''माँझे में, यहाँ कहाँ रहती है?''

''अतरसिंह की बैठक में; वे मेरे मामा होते हैं।''

''मैं भी मामा के यहाँ आया हूँ, उनका घर गुरु बाजार में हैं।''

इतने में दुकानदार निबटा, और इनका सौदा देने लगा। सौदा लेकर दोनों साथ-साथ चले। कुछ दूर जाकर लड़के ने मुसकराकर पूछा— ''तेरी कुड़माई हो गई?'' इस पर लड़की कुछ आँखें चढ़ाकर 'धत्' कहकर दौड़ गई, और लड़का मुँह देखता रह गया।

दूसरे-तीसरे दिन सब्जी वाले के यहाँ, दूध वाले के यहाँ अकस्मात दोनों मिल जाते। महीना-भर यही हाल रहा। दो-तीन बार लड़के ने फिर पूछा, ''तेरी कुड़माई हो गई?'' और उत्तर में वही 'धत्' मिला। एक दिन जब फिर लड़के ने वैसे ही हँसी में चिढ़ाने के लिए पूछा तो लड़की, लड़के की संभावना के विरुद्ध बोली—''हाँ, हो गई।''

''कब?''

''कल; देखते नहीं, यह रेशम से कढ़ा हुआ सालू।''

लड़की भाग गई। लड़के ने घर की राह ली। रास्ते में एक लड़के को मोरी में ढकेल दिया, एक छावड़ी वाले की दिन-भर की कमाई खोई, एक कुत्ते पर पत्थर मारा और एक गोभीवाले के ठेले में दूध उँड़ेल दिया। सामने नहाकर आती हुई किसी वैष्णवी से टकराकर अंधे की उपाधि पाई—तब कहीं घर पहुँचा।

(दो)

''राम-राम, यह भी कोई लड़ाई है। दिन-रात खंदकों में बैठे हड्डियाँ अकड़ गईं। लुधियाना से दस गुना जाड़ा और मेह और बरफ़ ऊपर से। पिंडलियों तक कीचड़ में धँसे हुए हैं। जमीन कहीं दिखती नहीं,—घंटे-दो-घंटे में कान के परदे फाड़ने वाले धमाके के साथ सारी खंदक हिल जाती है और सौ-सौ गज धरती उछल पड़ती है। इस गैबी-गोले से बचे तो कोई लड़े। नगरकोट का जलजला सुना था, यहाँ दिन में पचीस जलजले होते हैं। जो कहीं खंदक से बाहर साफ़ा या कुहनी निकल गई, तो चटाक से गोली लगती है। न मालूम बेईमान मिट्टी में लेटे हुए हैं या घास की पत्तियों में छिपे रहते हैं।''

''लहनासिंह, और तीन दिन हैं। चार तो खंदक में बिता ही दिए। परसों 'रिलीफ़' आ जाएगी और फिर सात दिन की छुट्टी। अपने हाथों झटका करेंगे और पेट-भर खाकर सो रहेंगे। उसी फ़िरंगी मेम के बाग़ में—मख़मल का-सा हरा घास है। फल और दूध की वर्षा कर देती है। लाख कहते हैं, दाम नहीं लेती। कहती है, तुम राजा हो, मेरे मुल्क को बचाने आए हो।''

''चार दिन तक एक पलक नहीं झँपी। बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही। मुझे तो संगीन चढ़ाकर मार्च का हुक्म मिल जाए। फिर सात जर्मनों को अकेला मारकर न लौटूँ, तो मुझे दरबार साहब की देहली पर मत्था टेकना नसीब न हो। पाजी कहीं के, कलों के घोड़े संगीन देखते ही मुँह फाड़ देते हैं, और पैर पकड़ने लगते हैं। यों अँधेरे में तीस-तीस मन का गोला फेंकते हैं। उस दिन धावा किया था—चार मील तक एक जर्मन नहीं छोड़ा था।

पीछे जनरल ने हट जाने का कमान दिया, ''नहीं तो—''

''नहीं तो सीधे बर्लिन पहुँच जाते! क्यों?'' सूबेदार हजारासिंह ने मुसकराकर कहा— 'लड़ाई के मामले जमादार या नायब के चलाए नहीं चलते। बड़े अफ़सर दूर की सोचते हैं। तीन सौ मील का सामना है। एक तरफ़ बढ़ गए तो क्या होगा?''

''सूबेदार जी, सच है,'' लहनासिंह बोला- ''पर करें क्या? हड्डियों-हड्डियों में तो जाड़ा धँस गया है। सूर्य निकलता नहीं, और खाई में दोनों तरफ़ से चंबे की बावलियों के-से सोते झर रहे हैं। एक धावा हो जाए, तो गरमी आ जाए।''

''उदमी उठ, सिगड़ी में कोले डाल। वजीरा, तुम चार जने बाल्टियाँ लेकर खाई का पानी बाहर फेंको। लहनासिंह, शाम हो गई है, खाई के दरवाजे का पहरा बदल दे।'' यह कहते हुए सूबेदार सारी खंदक में चक्कर लगाने लगे। वजीरासिंह पलटन का विदूषक था। बाल्टी में गँदा पानी भरकर खाई के बाहर फेंकता हुआ बोला- ''मैं पाधा बन गया हूँ। करो जर्मनी के बादशाह का तर्पण!'' इस पर सब खिलखिला पड़े और उदासी के बादल फट गए।

लहनासिंह ने दूसरी बाल्टी भरकर उसके हाथ में देकर कहा- ''अपनी बाड़ी के खरबूजों में पानी दो। ऐसा खाद का पानी पंजाब-भर में नहीं मिलेगा।''

''हाँ, देश क्या है, स्वर्ग है। मैं तो लड़ाई के बाद सरकार से दस घुमा जमीन यहाँ माँग लूँगा और फलों के बूटे लगाऊँगा।''

''लाड़ी होराँ को भी यहाँ बुला लोगे? या वही दूध पिलाने वाली फ़िरंगी मेम-''

''चुपकर। यहाँ वालों को शरम नहीं।''

''देश-देश की चाल है। आज तक मैं उसे समझा न सका कि सिख तंबाकू नहीं पीते। वह सिगरेट देने में हठ करती है, ओठों में लगाना चाहती है, और मैं पीछे हटता हूँ तो समझती है कि राजा बुरा मान गया, अब मेरे मुल्क के लिए लड़ेगा नहीं।''

''अच्छा, अब बोधासिंह कैसा है?''

''अच्छा है।''

''जैसे मैं जानता ही न होऊँ! रात-भर तुम अपने कंबल उसे उढ़ाते हो और आप सिगड़ी के सहारे गुजर करते हो। उसके पहरे पर आप पहरा दे आते हो। अपने सूखे लकड़ी के तख़्तों पर उसे सुलाते हो, आप कीचड़ में पड़े रहते हो। कहीं तुम न माँदे पड़ जाना। जाड़ा क्या है, मौत है और 'निमोनिया' से मरने वालों को मुरब्बे नहीं मिला करते।''

''मेरा डर मत करो। मैं तो बुलेल की खड्ड के किनारे मरूँगा। भाई कीरतसिंह की गोदी पर मेरा सिर होगा और मेरे हाथ के लगाए हुए आँगन के आम के पेड़ की छाया होगी।''

वजीरासिंह ने त्योरी चढ़ाकर कहा- ''क्या मरने-मारने की बात लगाई है? मरें जर्मनी और तुरक! ''हाँ भाइयों, कुछ गाओ।''

''दिल्ली शहर तें पिशोर नुं जाँदिए,
कर लेणा लौंगां दा बपार मड़िए;
कर लेणा नाड़ेदा सौदा अड़िए-
(ओय) लाणा चटाका कदुए नुँ।
कद्दू बणया वे मजेदार गोरिए,
हुण लाणा चटाका कदुए नुँ।।''

कौन जानता था कि दाढ़ियों वाले घरबारी सिख ऐसा लुच्चों का गीत गाएँगे, पर सारी खंदक इस गीत से गूँज उठी और सिपाही फिर ताजे हो गए, मानों चार दिन से सोते और मौज ही करते रहे हों।

(तीन)

दो पहर रात गई है; अँधेरा है। सन्नाटा छाया हुआ है। बोधासिंह खाली बिसकुटों के तीन टिनों पर अपने दोनों कंबल बिछाकर और लहनासिंह के दो कंबल और एक बरानकोट ओढ़कर सो रहा है। लहनासिंह पहरे पर खड़ा हुआ है। एक आँख खाई के मुँह पर है और एक बोधासिंह के दुबले शरीर पर। बोधासिंह कराहा।

''क्यों बोधा भाई, क्या है?''

''पानी पिला दो।''

लहनासिंह ने कटोरा उसके मुँह से लगाकर पूछा- ''कहो कैसे हो?'' पानी पीकर बोधा बोला- ''कँपनी छुट रही है। रोम-रोम में तार दौड़ रहे हैं। दाँत बज रहे हैं।''

''अच्छा, मेरी जरसी पहन लो!''

''और तुम?''

''मेरे पास सिगड़ी है और मुझे गर्मी लगती है। पसीना आ रहा है।''

''ना, मैं नहीं पहनता। चार दिन से तुम मेरे लिए—''

''हाँ, याद आई। मेरे पास दूसरी गरम जरसी है। आज सबेरे ही आई है। विलायत से मेम बुन-बुनकर भेज रही हैं। गुरु उनका भला करें।'' यों कहकर लहना अपना कोट उतारकर जरसी उतारने लगा।

''सच कहते हो?''

''और नहीं झूठ?'' यों कहकर नाहीं करते बोधा को उसने जबरदस्ती जरसी पहना दी और आप खाकी कोट और जीन का कुरता भर पहनकर पहरे पर आ खड़ा हुआ। मेम की जरसी की कथा केवल कथा थी।

आधा घंटा बीता। इतने में खाई के मुँह से आवाज आई- ''सूबेदार हजारासिंह।''

''कौन लपटन साहब? हुक्म हुजूर!''—कहकर सूबेदार तनकर फ़ौजी सलाम करके सामने हुआ।

''देखो, इसी दम धावा करना होगा। मील भर की दूरी पर पूरब के कोने में एक जर्मन खाई है। उसमें पचास से ज्यादा जर्मन नहीं हैं। इन पेड़ों के नीचे-नीचे दो खेत काटकर रास्ता है। तीन-चार घुमाव हैं। जहाँ मोड़ है वहाँ पंद्रह जवान खड़े कर आया हूँ। तुम यहाँ दस आदमी छोड़कर सबको साथ ले उनसे जा मिलो। खंदक छीनकर वहीं, जब तक दूसरा हुक्म न मिले, डटे रहो। हम यहाँ रहेंगे।''

''जो हुक्म।''

चुपचाप सब तैयार हो गए। बोधा भी कंबल उतारकर चलने लगा। तब लहनासिंह ने उसे रोका। लहनासिंह आगे हुआ तो बोधा के बाप सूबेदार ने उँगली से बोधा की ओर इशारा किया। लहनासिंह समझकर चुप हो गया। पीछे दस आदमी कौन रहें, इस पर बड़ी हुज्जत हुई। कोई रहना न चाहता था। समझा-बुझाकर सूबेदार ने मार्च किया। लपटन साहब लहना की सिगड़ी के पास मुँह फेरकर खड़े हो गए और जेब से सिगरेट निकालकर सुलगाने लगे। दस मिनट बाद उन्होंने लहना की ओर हाथ बढ़ाकर कहा— ''लो तुम भी पियो।''

आँख मारते-मारते लहनासिंह सब समझ गया। मुँह का भाव छिपाकर बोला- ''लाओ साहब।'' हाथ आगे करते ही उसने सिगड़ी के उजाले में साहब का मुँह देखा। बाल देखे। तब उसका माथा ठनका। लपटन साहब के पट्टियों वाले बाल एक दिन में ही कहाँ उड़ गए और उनकी जगह क़ैदियों से कटे बाल कहाँ से आ गए?

शायद साहब शराब पिए हुए हैं और उन्हें बाल कटवाने का मौका मिल गया है? लहनासिंह ने जाँचना चाहा। लपटन साहब पाँच वर्ष से उसकी रेजिमेंट में थे।

''क्यों साहब, हम लोग हिंदुस्तान कब जाएँगे?''

''लड़ाई ख़त्म होने पर। क्यों, क्या यह देश पसंद नहीं?''

''नहीं साहब, शिकार के वे मजे यहाँ कहाँ? याद है, पार साल नकली लड़ाई के पीछे हम आप जगाधरी जिले में शिकार करने गए थे—''हाँ, हाँ—वहीं जब आप खोते पर सवार थे और आपका ख़ानसामा अब्दुल्ला रास्ते के एक मंदिर में जल चढ़ाने को रह गया था?'' 'बेशक पाजी कहीं का'—सामने से वह नीलगाय निकली कि ऐसी बड़ी मैंने कभी न देखी थी। और आपकी एक गोली कंधे में लगी और पुट्ठे में निकली। ऐसे अफ़सर के साथ शिकार खेलने में मजा है। क्यों साहब, शिमले से तैयार होकर उस नीलगाय का सिर आ गया था न? आपने कहा था कि रेजिमेंट की मैस में लगाएँगे।'' ''हाँ, पर मैंने वह विलायत भेज दिया''—''ऐसे बड़े-बड़े सींग! दो-दो फ़ुट के तो होंगे?''

''हाँ, लहनासिंह, दो फ़ुट चार इंच के थे। तुमने सिगरेट नहीं पिया?''

''पीता हूँ साहब, दियासलाई ले आता हूँ''—कहकर लहनासिंह खंदक में घुसा। अब उसे संदेह नहीं रहा था। उसने झटपट निश्चय कर लिया कि क्या करना चाहिए।

अँधेरे में किसी सोने वाले से वह टकराया।

''कौन? वजीरासिंह?''

''हाँ, क्यों लहना? क्या क़यामत आ गई? जरा तो आँख लगने दी होती?''

New Delhi

10 साल जेल, 10 करोड़ रु. का जुर्माना, पेपर लीक संशोधन बिल कैबिनेट से मंजूर

नई दिल्ली, (एजेंसी) परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधली की घटनाओं पर सख्त रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार मौजूदा कानूनी प्रावधानों को और मजबूत करने जा रही है। सरकार ने पब्लिक एग्जामिनेशंस एक्ट, 2024 में संशोधन के मसौदे को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित संशोधनों के तहत पेपर लीक के मामलों में 10 साल तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) और कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (CCEA) की बैठकों

के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल की अहम बैठक हुई। इस बैठक में संशोधित पेपर लीक विधेयक के मसौदे पर चर्चा की गई और उसे मंजूरी दे दी गई। सरकार अब इस विधेयक को अगले सप्ताह शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में पेश करने की तैयारी कर रही है।

प्रस्तावित संशोधनों के तहत पेपर लीक से जुड़े संगठित गिरोहों और दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा मामलों के त्वरित निपटारे के लिए स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट को कानूनी आधार दिया जाएगा। इन अदालतों को तीन महीने के भीतर जांच पूरी कर फैसला सुनाने का अधिकार देने का प्रस्ताव है, ताकि छात्रों को जल्द न्याय मिल सके।

New Delhi

होर्मुज में एलपीजी टैंकर पर मिसाइल हमला: 28 भारतीय सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी) होर्मुज जलडमरूमध्य के पास शुक्रवार को ईरान के जल क्षेत्र में मोजाम्बिक के झंडे वाला एलपीजी टैंकर 'दिशा' (IMO No. 8818219) हमले का शिकार हो गया। टैंकर पर 28 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है कि सभी भारतीय सुरक्षित हैं। दूतावास ने बताया कि हमले से पहले जहाज ने संकट संदेश भेजा था और अज्ञात मिसाइलों से हमले की जानकारी दी थी। हाल ही में भारत के समुद्री प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से भारतीय नाविकों की इस क्षेत्र में तैनाती से बचने की सलाह भी जारी की थी। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने जारी बयान में कहा कि उसे इस घटना की पूरी जानकारी है। दूतावास ने संबंधित ईरानी अधिकारियों से संपर्क कर यह सुनिश्चित किया है कि जहाज पर मौजूद सभी 28 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। साथ ही दूतावास ने कहा कि वह स्थिति की लगातार निगरानी कर रहा है और संबंधित एजेंसियों के संपर्क में बना हुआ है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सार्वजनिक वीएचएफ (VHF) समुद्री रेडियो चैनल की ऑडियो रिकॉर्डिंग में सामने आया कि जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट संकट संदेश (डिस्ट्रेस कॉल) भेजा था। रिकॉर्डिंग में एक व्यक्ति, जिसे एक नाविक ने अमेरिकी सैन्य ऑपरेटर बताया, एक व्यापारी जहाज को बार-बार चेतावनी देता सुनाई देता है कि वह ईरानी जलक्षेत्र की ओर बढ़कर नियमों का उल्लंघन कर रहा है।

New Delhi

चट्टानें गिरी, 13 की मौत

लाहौल स्पीति, (एजेंसी) हिमाचल प्रदेश के ट्राइबल जिला लाहौल-स्पीति में शुक्रवार को दोपहर उदयपुर-किलाड़ सड़क पर कड़ू नाला के पास चलती गाड़ी पर चट्टानें गिर गई। इससे टाटा सूमो टैक्सी में सवार 13 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल हैं। मरने वालों में 6 महीने की बच्ची भी शामिल है। भरमौर के विधायक डॉ. जनकराज ने बताया कि टाटा सूमो में कुल 15 लोग सवार थे। सभी पांगी क्षेत्र के रहने वाले हैं और कुल्लू से पांगी लौट रहे थे। इस दौरान कड़ू नाला के पास पहाड़ी से बड़ी बड़ी चट्टानें गाड़ी पर गिर गईं। इससे HP-01M-2210 नंबर की टाटा सूमो गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई ।

New Delhi

दिल्ली में दर्दनाक हादसा: नाले में गिरी तेज रफ्तार कार, सेना के अधिकारी के बेटे की मौत

दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. यहां दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नांगल देवात इलाके के पास एक मोड़ पर एक कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी. हादसे में कार में सवार 20 वर्षीय यशवेंद्र की मौत हो गई. यशवेंद्र भारतीय सेना के एक अधिकारी का बेटा था और अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा था. हादसे के समय वह अपनी महिला मित्र के साथ कार में सवार था.

महिला मित्र कार चला रही थी और कार भी उसी की थी. दुर्घटना में वह घायल हो गई है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और मोड़ पर नियंत्रण खोना हादसे की वजह माना

जा रहा है.

पुलिस ने बताया कि 24 जुलाई 2026 को वसंत कुंज साउथ पुलिस स्टेशन में सड़क दुर्घटना में मौत की सूचना देने वाली एक पीसीआर कॉल आई. जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया. पुलिस के मुताबिक यशवेंद्र पिछली रात अपने दोस्त के घर रुके थे और सुबह महिला के घर जा रहे थे.

खेल

CWG 2026 Day 2: भारत को पहला पदक, झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य; अन्य खेलों में कैसा हाल?

ग्लास्गो, (एजेंसी) राष्ट्रमंडल खेल 2026 का दूसरा दिन फिलहाल जारी है। पैरा तैराकी और पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को निराशा मिली है। पुरुष और महिला दोनों वर्ग में भारत पदक लाने के करीब था, लेकिन अंत में पिछड़ गया। वहीं, पैरा तैराकी में बुडिगिना काफी करीब से कांस्य अपने नाम नहीं कर सके। आइए जानते हैं राष्ट्रमंडल खेल के दूसरे दिन क्या-क्या हुआ?

पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पदक का खोल दिया है। पुरुष हेवीवेट के फाइनल में झंडू ने 130.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। झंडू ग्रुप बी में शीर्ष पर थे और एक समय स्वर्ण पदक जीतने के करीब थे, लेकिन नाइजीरिया के रिलुवान इदरिस और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने उन्हें तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इदरिस ने 132.8 अंकों के साथ स्वर्ण और हार्डिंग ने 131 अंक के साथ रजत अपने नाम किया। भारत के एक अन्य पैरा पावरलिफ्टर सुधीर 114.1 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे।

दो बार के ओलंपियन श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा के फाइनल में जाने से चूक गए। नटराज सेमीफाइनल में 25.29 सेकेंड का समय लेकर बाहर हो गए। भारतीय तैराक कुल मिलाकर 11वें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह नहीं बना पाए, जो शीर्ष आठ तैराकों के लिए आरक्षित थी। दक्षिण अफ्रीका के पीटर कोएट्जे 24.29 सेकेंड के गेम्स रिकॉर्ड के साथ सबसे तेज क्वालिफायर रहे। इससे पहले, उन्होंने हीट में संयुक्त 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके नटराज ने 25.52 सेकेंड का समय निकाला। उन्होंने बरमूडा के जैक हार्वे के साथ संयुक्त 14वां स्थान हासिल किया था। सेमीफाइनल के लिए हीट से शीर्ष-16 तैराकों का चयन किया गया था। नटराज अपनी आठ खिलाड़ियों वाली हीट में पांचवें स्थान पर रहे थे।

पैरा तैराक आरवीवीबीके बुडिगिना पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 वर्ग के फाइनल में पदक जीतने से चूक गए। बुडिगिना फाइनल में 57.57 सेकेंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे और पदक नहीं जीत सके। वहीं, भारत के एक अन्य पैरा तैराक इमाम अली 1:03.73 समय के साथ आठ तैराकों में सातवें नंबर पर रहे। दक्षिण अफ्रीका के नाथन हेनरिक्स ने 54.54 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्कॉटलैंड के स्टीफन क्लेग 55.16 सेकेंड के साथ रजत और इंग्लैंड के मैथ्यू रेडफर्न 56.86 सेकेंड के साथ कांस्य अपने नाम करने में सफल रहे। इससे पहले, बुडिगिना ने 57.10 सेकेंड के समय के साथ हीट में तीसरा स्थान हासिल किया था, जबकि इमाम अली 1:05.32 सेकेंड के समय के साथ आठवें स्थान पर रहे थे। एस13 वर्ग दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए निर्धारित पैरा तैराकी श्रेणी है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन भारत पैरा पावरलिफ्टिंग में पदक लाने से चूक गया।

सिनेमा

राजनीति से बनाई दूरी, यशराज फिल्म का हीरो बना बालासाहेब ठाकरे का पोता, बनेगा बड़ा स्टार?

राजनीतिक गलियारों के सबसे बड़े परिवारों में से एक ठाकरे परिवार का एक और चिराग अब सिनेमा के पर्दे पर अपनी किस्मत आजमाने जा रहा है. शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते और स्मिता ठाकरे के बेटे ऐश्वर्य ठाकरे बॉलीवुड में बतौर एक्टर अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. अनुराग कश्यप की आगामी फिल्म 'निशांची' से अपने एक्टिंग सफर का आगाज करने जा रहे ऐश्वर्य अब यशराज फिल्म्स (YRF) के एक बड़े प्रोजेक्ट में भी नजर आने वाले हैं. अली अब्बास जफर के डायरेक्शन में बन रही इस अनटाइटल्ड रोमांटिक-एक्शन फिल्म में उनके साथ अहान पांडे, शरवरी वाघ और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में होंगे. आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की यह साथ में पांचवीं फिल्म 26 मार्च 2027 (गुड फ्राइडे) को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो ऐश्वर्य की बतौर एक्टर दूसरी फिल्म होगी. ऐश्वर्य ठाकरे का बैकग्राउंड पूरी तरह से राजनीतिक रहा है. उनके दादा बालासाहेब ठाकरे और पूरे परिवार का महाराष्ट्र की राजनीति में हमेशा से दबदबा रहा है. हालांकि, ऐश्वर्य ने अपने परिवार की स्थापित राजनीतिक विरासत पर चलने के बजाय अपनी एक अलग पहचान बनाने का फैसला किया.

Highlights

1. **PM Modi shares new late-night video, thanks youngsters for suggestions**
2. **LPG tanker carrying 28 Indian crew members attacked in Iranian waters, all crew safe**
3. **18 Delhi Metro stations to remain closed from 7:30 am on July 25 amid CJP protest**
4. **Facial recognition identifies over 2,500 with criminal records at Jantar Mantar: Report**
5. **Students using paper leak to justify poor marks: Nishikant Dubey**
6. **Police dismiss claim of ban on food delivery services in New Delhi**
7. **Karnataka temple collections cross ₹2.64 crore**

How NHAI's new toll fee collection formula could make your highway journey cheaper

NEW DElHI, (Agency). Motorists using national highways with bridges, tunnels, flyovers and elevated stretches are set to pay less tolls under a new formula, with the National Highways Authority of India (NHAI) on Friday directing all its field offices to begin processing toll notifications and revisions under the amended rules.

The move follows the Ministry of Road Transport and Highways' July 1 amendment to the National Highways Fee (Determination of Rates and Collection) Rules, 2008, which changes how user fees are calculated for highway stretches involving one or more independent bridges, tunnels, flyovers or elevated highways.

What is the revised rule?

Under the revised rule, toll will be calculated by adding 10 times the length of such structures to the length of the remaining highway section, or five times the total length of the highway section, whichever is lower. Structures measuring 60 metres or less will not be treated separately for this purpose.

The revised formula will apply to highway stretches containing one or more independent bridges, tunnels, flyovers or elevated highways. The amendment also places a ceiling on the chargeable distance by requiring authorities to adopt whichever of the two prescribed calculations results in the lower tollable length. Earlier, the fee for such stretches was generally linked to ten times the length of the structure, a provision intended to account for their higher construction and maintenance costs.

The Gazette notification provides illustrations of how the revised formula would work. For example, on a 40-km highway section with 30 km of structures and 10 km of ordinary road, toll would be calculated on a chargeable length of 200 km instead of 310 km because the lower of the two prescribed calculations must be adopted. Similarly, where a 40-km section includes 10 km of structures and 30 km of ordinary road, the chargeable length would be 130 km rather than 200 km.

Akhilesh Srivastava, a former NHAI official and current president, ITS India Forum, said, "Until now, a highway stretch that was mostly bridge or tunnel could see its toll calculated at ten times the structure's length, with no upper limit. A hard cap now ensures the fee is always whichever is lower."

The amended rules will take effect for existing publicly funded toll plazas from their next scheduled user fee revision. For concessionaire-operated toll plazas, the revised formula will apply after the concession period ends or the project is transferred back to the authority, while newly operational toll plazas will adopt the formula from the date toll collection begins.

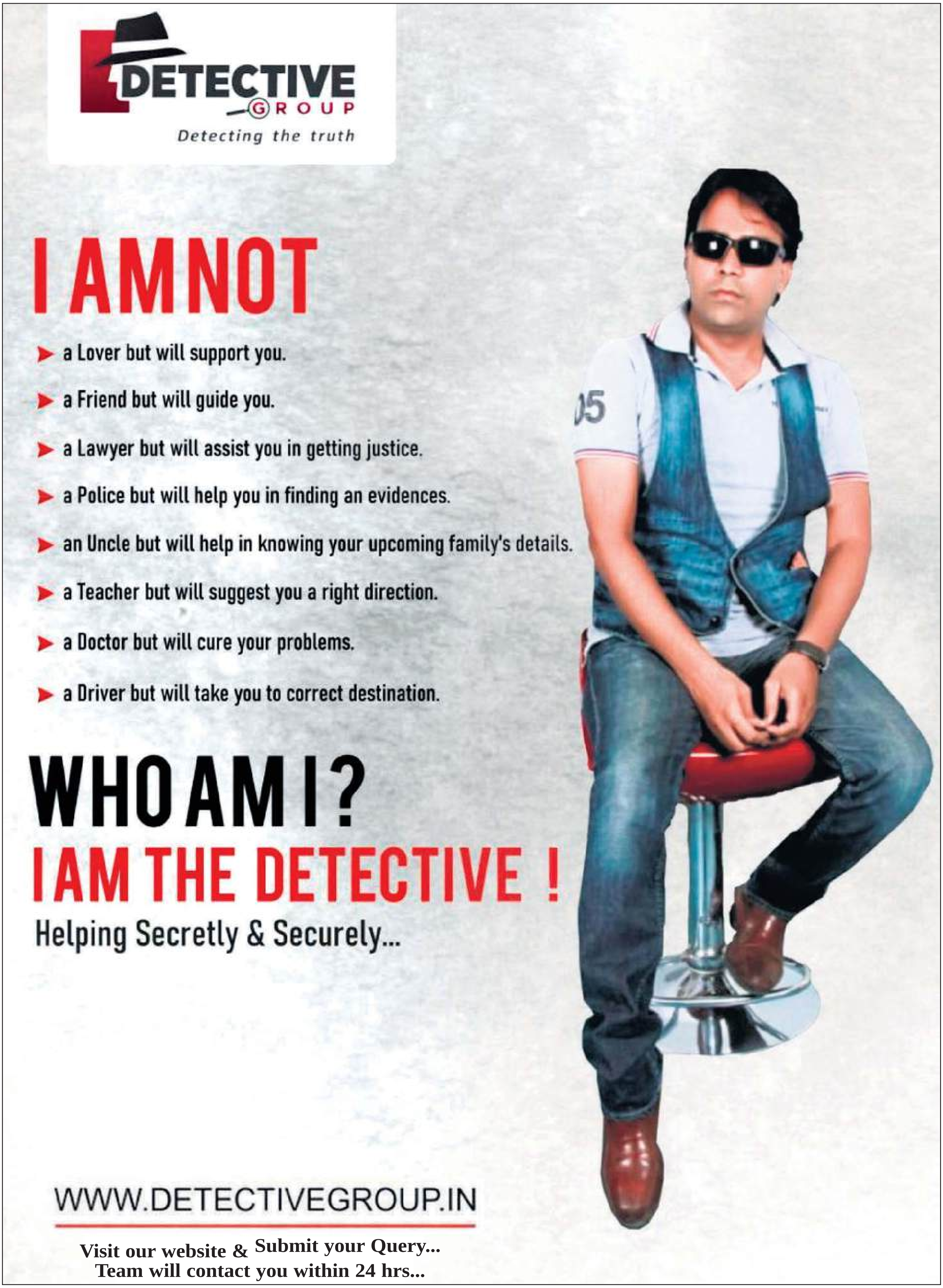

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक